RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 137
दि. 16.09.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

केरल हाई कोर्ट : 25 साल पुराने महिला आईएफएस शील भंग मामले में पूर्व मंत्री बरी

केरल उच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में पूर्व वन मंत्री नीलालोहितदासन नादर को 1999 के शील भंग मामले में बरी कर दिया। यह मामला, जो पिछले 25 साल से कानूनी जंग का हिस्सा था, सोमवार को न्यायमूर्ति कौसर एडापगथ की एकल पीठ ने सुनवाई के बाद समाप्त कर दिया। कोझिकोड में एक महिला भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारी ने नादर पर शील भंग का आरोप लगाया था, जिसके बाद यह केस सुर्खियों में आया था। 1999 में कोझिकोड के सरकारी गेस्ट हाउस में हुई एक घटना को लेकर महिला IFS अधिकारी ने नादर पर गंभीर आरोप लगाए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार के पूर्णिया को 36 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का तोहफा दिया

(जीएनएस)।

बिहार चुनाव 2025 से पहले 15 सितंबर (सोमवार) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्णिया दौरे पर पहुंचे हैं। यहां पर उन्होंने करोड़ों की लागत से बने पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार के पूर्णिया को 36 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का तोहफा दिया है। इसका उद्देश्य पूर्णिया क्षेत्र को प्रगति और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है।

एयरपोर्ट का उद्घाटन करने के बाद पीएम मोदी सीधे जनसभा को संबोधित करने के लिए मंच पर पहुंचे। यहां पर पीएम मोदी का भाजपा समर्थकों और पूर्णिया की जनता ने मोदी जिंदाबाद के नारे लगाकर भव्य स्वागत किया। हालांकि मंच पर पहुंचते ही देश के प्रधानमंत्री ने हाथ जोड़कर पूर्णिया की जनता से माफी

मांगी। आइए जानते हैं आखिर क्या वो वजह थी कि जो पीएम मोदी को माफी मांगनी पड़ी?

दरअसल, पीएम मोदी पूर्णिया में जनसभा कार्यक्रम में अपने निर्धारित समय से थोड़ी देरी से पहुंचे जिसके लिए उन्होंने माफी मांगी। बिहारी भाषा में प्रमाण करके अपने भाषण शुरूआत करते हुए पीएम मोदी ने कहा- 'सबसे पहले मैं आप सभी से क्षमा चाहता हूं। कोलकाता में मेरा कार्यक्रम थोड़ा लंबा हो गया, और इस वजह से मुझे यहाँ पहुंचने में देर हो गई। इसके बावजूद आप लोग इतनी बड़ी संख्या में हमें आशीर्वाद देने आए। आप इतने लंबे समय तक रुके। मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं।"

पीएम मोदी के ये कहते ही महिलाएं और पुरुष हाथों में तिरंगा लहराते हुए खुशी जताते हुए नजर आईं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि यदि उनकी सरकार दोबारा सत्ता में आती है, तो अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

यह घोषणा विशेष रूप से बिहार के युवाओं के लिए की गई है, जहां रोजगार एक प्रमुख मुद्दा रहा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार का ध्यान देश के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर पहुँची सरदार सम्मान यात्रा का स्वागत किया

गांधीनगर, 15 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अखंड भारत के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल

की 150वीं जयंती अंतर्गत बारडोली से सोमनाथ तक के लिए आयोजित हुई सरदार सम्मान यात्रा का गांधीनगर पहुँचने पर स्वागत किया और सरदार साहब की भाव वंदना की।

इस अवसर पर मंत्री श्री राघवजीभाई पटेल, सांसद श्री एच. एस. पटेल, नरहरिभाई अमीन, विधायक श्री कौशिकभाई वेकरिया, श्री जे. वी. काकडिया, श्री जनकभाई तळाविया, प्रदेश महासचिव श्री रजनीभाई, उपाध्यक्ष श्री गोरधनभाई झडफिया, गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन, जिला पंचायत अध्यक्षश्री शिल्पाबेन, शहर अध्यक्ष श्री आशिष दवे, बड़ी संख्या में नागरिक, सहकारी, सामाजिक, स्वैच्छिक संस्थाओं के अग्रणी तथा स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी सहभागी हुए।

सिंहस्थ 2028 के विकास कार्यों के लिए सभी का मिल रहा है समर्थनः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

(एजेंसी)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ : 2028 के विकास कार्यों के लिए हमें सभी का समर्थन मिल रहा है। विकास के क्रम को बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सबके हितों का ध्यान रखते हुए और सभी से संवाद करते हुए राज्य सरकार लैंड पूलिंग सहित सभी प्रकार के विकास कार्यों के मार्ग पर अग्रसर हो रही है। प्रयागराज महाकुंभ के ऐतिहासिक आयोजन में करोड़ों लोगों के आगमन, व्यवस्था और उनके सुरक्षा प्रबंधन के दृष्टिगत केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने स्थायी संरचनाओं के विकास पर बल दिया, इससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिला। उज्जैन में सिंहस्थ-2028 के लिए स्थायी निर्माण के संबंध

में किसानों से संवाद जारी है, हम किसी को नाराज नहीं करना चाहते, राज्य सरकार सभी को साथ लेकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। विकास का क्रम निरंतर जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मीडिया से चर्चा में व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इतिहास में अब तक के सबसे बड़े सिंहस्थ मेले का आयोजन उज्जैन में वर्ष-2028 में होने जा रहा है। वर्तमान में उज्जैन की अर्थव्यवस्था में महाकाल लोक बनने से भारी वृद्धि हुई है। सिंहस्थ के आयोजन से उज्जैन का आध्यात्मिक नगरी के रूप में विकास होने से पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा। उज्जैन सिंहस्थ में 30 करोड़ श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की आशा है। सिंहस्थ आयोजन का गौरवशाली इतिहास रहा है, राज्य शासन वर्ष 2028 के सिंहस्थ का आयोजन आस्था, गरिमा और भव्यता के साथ करने के लिये कृत संकल्पित है।

नहीं हो सकेगी धांधली, रिजर्वेशन टिकट बुकिंग को लेकर लागू हुआ ये सख्त नियम

रेलवे की इतनी सख्ती के बावजूद टिकट बुकिंग में धांधली जारी है। इस धांधली को रोकने के लिए इंडियन रेलवे ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऑनलाइन टिकट बुकिंग को लेकर तत्काल टिकट बुकिंग जैसा सख्त नियम लागू कर दिए है। ये नियम 1 अक्टूबर 2025 से ये नए नियम लागू हो जाएगा। इस नए नियम के तहत ट्रेन के आरक्षित सामान्य टिकटों की आनलाइन बुकिंग केवल वो ही यूजर्स कर सकेंगे जिसका आधार वेरिफाइड होगा। 1 अक्टूबर से शुरूआती 15 मिनट में केवल आधार वेरिफाइड यूजर्स ही ऑनलाइन टिकट बुक कर पाएंगे। रेलवे का मानना है कि इस पहल से टिकट बुकिंग प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता ।

सीएम पुष्कर सिंह धामी का जन्म दिन, कहा-उत्सव या औपचारिक आयोजन नहीं, आपदा प्रभावितों और आमजन की करेंगे मदद

(एजेंसी)।

मंगलवार 16 सितम्बर को उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी के जन्म दिन पर किसी प्रकार का उत्सव या औपचारिक आयोजन नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस दिन आपदा प्रभावितों और आमजन की मदद में समय देंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य के कई क्षेत्रों में आपदा से प्रभावित परिवार कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं और ऐसे में समाज का प्रत्येक वर्ग उनके सहयोग के लिए आगे आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन्मदिवस जैसे अवसर को समाज और जरूरतमंदों की सेवा के लिए समर्पित करना ही सच्चा उत्सव है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उनके जन्मदिवस के अवसर पर किसी प्रकार का उत्सव या औपचारिक आयोजन नहीं होगा, बल्कि यह दिन सादगी और सेवा को

समर्पित रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, शिक्षा सहयोग और आपदा राहत जैसे कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बन सकते हैं।

सेवा और त्याग की भावना ही उत्तराखण्ड की असली पहचान है और यदि हर नागरिक इसी सोच के साथ कार्य करे तो राज्य को हर क्षेत्र में मजबूती और नई ऊर्जा मिलेगी। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने आपदा के मद्देनजर सीएम द्वारा सेवा और सादगी से जन्मदिन मनाने का स्वागत किया है। वहीं पार्टी भी उनके जन्मदिन को ब्लड डोनेशन, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान आदि जनसहभागिता के कार्यक्रमों के साथ मनाएगी। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में, मुख्यमंत्री धामी के स्वास्थ्य और दीघार्यु होने की ईश्वर से कामना की है। साथ ही कहा, पीएम मोदी के विकसित भारत विजन को उत्तराखंड में साकार कर रहे हैं। उनके द्वारा वर्तमान दशक उत्तराखंड का बनाने के लक्ष्य पूर्ति के लिए सीएम के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

साथ ही उन्होंने बताया कि पार्टी भी उनके जन्मदिन को जनसहभागिता के साथ विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रम के माध्यम से मनाएगी। जिसके तहत युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा द्वारा स्वास्थ्य शिविर, ब्लड कैंप, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, शैक्षिक कार्यक्रम और सार्वजनिक धार्मिक हवन पूजन आदि का आयोजन किया जायेगा।

आयकर विभाग ने आईटीआर दाखिल करने की बढ़ाई समय सीमा

आयकर विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समय सीमा बढ़ा दी है। आईटी रिटर्न भरते की पहले

आखिरी तारीख 15 सितंबर थी जिसे अब बढ़ाकर 16 सितंबर कर दिया गया है। यानी आईटी रिटर्न भरने के लिए एक और दिन मिल गया है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सोमवार को यह घोषणा की। पहले यह समय सीमा 15 सितंबर, सोमवार को समाप्त हो रही थी, जिसे अब मंगलवार, 16 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की देहरादून-बेंगलुरु हवाई सेवा शुरू, निवेश, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा नया आयामः सीएम धामी

(एजेंसी)।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट, देहरादून से एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा देहरादून-बेंगलुरु के लिए शुरू की जा रही नई हवाई सेवा का फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री ने इसे राज्य के समग्र विकास और हवाई संपर्क विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उत्तराखंड में नई पहल के साथ देश की पहली अंतरराष्ट्रीय वैल्यू कैरियर एअर इंडिया एक्सप्रेस ने देहरादून हवाई अड्डे से बेंगलुरु के लिए दैनिक सीधी उड़ानों की शुरूआत के साथ परिचालन शुरू कर दिया है। एअर इंडिया एक्सप्रेस का स्वागत करते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा देहरादून से एअर इंडिया एक्सप्रेस सेवाओं की शुरूआत हमारे राज्य में नागरिक उड्डयन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की देहरादून और बेंगलुरु के बीच सीधी हवाई सेवा उत्तराखंड के युवाओं, उद्यमियों, आईटी प्रोफेशनल्स, छात्रों और पर्यटकों के लिए बड़ी सुविधा साबित होगी। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु देश की तकनीकी राजधानी है और वहां उत्तराखंड के हजारों युवा शिक्षा, सेवा और स्टार्टअप क्षेत्रों में कार्यरत हैं। अब उन्हें राज्य आने-जाने के लिए और अधिक सुविधाजनक, समयबद्ध और सुरक्षित विकल्प मिलेगा।

इस अवसर पर एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने कहाः हमें देहरादून से परिचालन शुरू करके खुशी हो रही है, यह हमारा 58वां स्टेशन है।

हम अपने सबसे बड़े घरेलू केंद्र, बेंगलुरु के लिए दैनिक सीधी उड़ानें शुरू कर रहे हैं। यह अहमदाबाद और चंडीगढ़ के बाद इस महीने लॉन्च किया गया तीसरा नया स्टेशन है, जो हमारे नेटवर्क के तेजी से विस्तार को रेखांकित करता है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जानकारी दी कि देहरादून -बेंगलुरु की पहली

भानवी सिंह का आरोप, राजा भैया के पास अवैध और घातक हथियारों का जखीरा, पीएमओ से की शिकायत

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ देखने को मिला है। बाहुबली विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने प्रधानमंत्री कार्यालय में गंभीर आरोपों के साथ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इस बार भी राजा भैया को लेकर ही शिकायत किया है।

भानवी सिंह ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उनके पति के पास खतरनाक और अवैध हथियारों का बड़ा जखीरा है। इनमें कुछ हथियार ऐसे भी हैं जो आमजन की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। यही वजह है कि उन्होंने सीधे पीएमओ से मदद की गुहार लगाई। ाान लिया और शिकायत गृह मंत्रालय को भेज दी। बताया जा रहा है कि इस मामले में अब मंत्रालय जांच करेगा और पूरी रिपोर्ट तैयार करेगा। शिकायत के बाद एक बार फिर राज भैया और उनकी पत्नी भानवी सिंह की चर्चा शुरू हो गई है।

भानवी सिंह ने शिकायत में लिखा है कि राजा भैया ने कई बार उन्हें धमकाया और उनके लाइसेंसी हथियार भी छीन लिए। उनका यह भी दावा है कि एक मौके पर कमरे के अंदर गोली चलाई गई जिसमें उनकी छोटी बेटी बाल-बाल बची।

उन्होंने कहा कि राजा भैया के पास नाटो ग्रेड की जिगाना पिस्टल और ऑटोमैटिक असॉल्ट राइफल जैसे हथियार हैं। भानवी का आरोप है कि ऐसे हथियार किसी भी वक्त जन सुरक्षा को चुनौती दे सकते हैं।

पहले भी सीबीआई तक पहुंची थीं

यह पहला मौका नहीं है जब भानवी सिंह ने आवाज उठाई हो। इससे पहले भी वह पूरे मामले की जानकारी सीबीआई निदेशक को दे चुकी हैं। उन्होंने वहां भी साफ कहा था कि यह मुद्दा केवल पति-पत्नी का विवाद नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

उनका कहना है कि उनके आरोपों की गंभीरता को समझते हुए इसे उच्च स्तर पर देखा जाना चाहिए।

पीएम की कार्यशैली से प्रेरित मुख्यमंत्री धामी ने साझा किया संस्मरण, कहा-सच्चा नेतृत्व केवल उपदेश देने में नहीं, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने में होता है

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री मोदी को एक भावुक श्रद्धांजलि दी, जिसमें व्यक्तिगत किस्सों के माध्यम से उनके समर्पण और नेतृत्व गुणों पर प्रकाश डाला गया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक प्रेरणादायक संस्मरण साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री की अनुशासनप्रियता, समर्पण और राष्ट्रप्रेम को रेखांकित करते हुए उनके नेतृत्व की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री धामी ने लिखा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी जी की कार्यशैली को नजदीक से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हर मुलाकात उनके लिए एक नया पाठ होती है—अनुशासन,

समर्पण और राष्ट्रहित की भावना से ओतप्रोत।

अपने संस्मरण में मुख्यमंत्री ने वाराणसी का एक प्रसंग साझा किया, जब भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक देर रात 1 बजे समाप्त हुई थी। सभी नेता थक चुके थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा, "अभी एक जरूरी काम बाकी है।" प्रधानमंत्री ने बताया कि वे अपने संसदीय क्षेत्र में दिन में निरीक्षण से जनता को असुविधा नहीं देना चाहते, इसलिए रात में ही विकास कार्यों का जायजा लेते हैं। मुख्यमंत्री धामी ने लिखा कि उस रात प्रधानमंत्री मोदी सड़कों पर परियोजनाओं का निरीक्षण करते रहे और सुबह 9 बजे फिर से बैठक में उसी ऊर्जा और एकाग्रता के साथ उपस्थित हुए।

मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का जीवन इस बात का उदाहरण है कि सच्चा नेतृत्व केवल उपदेश देने में नहीं, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने में होता है। उनका समर्पण और कार्यशैली सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अलीराजपुर जिले का नाम बदला, अब होगा 'आलीराजपुर', मध्य प्रदेश सरकार ने जारी की अधिसूचना

मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले का नाम आधिकारिक रूप से बदलकर 'आलीराजपुर' कर दिया गया है। राज्य शासन के राजस्व विभाग ने सोमवार को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की, जिसमें कहा गया है कि जिले का नया नाम तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

यह निर्णय भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 21 अगस्त 2025 को जारी अनापत्ति पत्र के आधार पर लिया गया है। यह परिवर्तन भारत सरकार के गृह मंत्रालय के 21 अगस्त 2025 के अनापत्ति पत्र के बाद लागू किया गया है। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू होगा और सभी सरकारी दस्तावेजों, रिकॉर्ड्स, और कार्यवाहियों में जिले का नया नाम 'आलीराजपुर' ही उपयोग किया जाएगा।

पश्चिम रेल्वे द्वारा गांधीधाम ⇌ सियालदह के बीच सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेश्यल ट्रेन चलायी जायेगी.

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	चलाने के दिन	प्रस्थान	आगमन
09437	गांधीधाम-सियालदह (सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल)	17.09.2025 से 08.10.2025 तक	18:25 बजे (बुधवार)	16:15 बजे (शुक्रवार)
09438	सियालदह - गांधीधाम (सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल)	20.09.2025 से 11.10.2025 तक	05:15 बजे (शनिवार)	02:00 बजे (दुसरे दिन)

हॉल्ट: सामाखियाली, ध्रांगध्रा, अहमदाबाद, छायापुरी, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमो, धनबाद, आसनसोल, दुर्गापुर और बर्द्धमान स्टेशन दोनों दिशाओं में ।

संरचना: एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे।

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09437 की बुकिंग 16.09.2025 से सभी PRS काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेल्वे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

सम्पादकीय

क्रिकेट पर बवाल

एशिया कप में पाकिस्तान के साथ खेलने पर भारत में राष्ट्रवादी विचार के लोगों में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के साथ-साथ सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश है। सोशल मीडिया पर लोग मैच के साथ-साथ एशिया कप के बहिष्कार की मांग कर रहे हैं। विरोध करने वाले इस मैच को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिजनों का अपमान बताते हुए सीधे सरकार से पूछ रहे हैं कि जब पाकिस्तान 1993 में एशिया कप का बहिष्कार कर सकता है, तो भारत क्यों नहीं? सरकार से पूछा जा रहा है कि आखिर 1986 में श्रीलंका की मेजबानी में खेले जाने वाले एशिया कप के मैच का बहिष्कार तो भारत ने भी किया था। असल में उस वक्त एलटीटीई की सक्रियता के कारण भारत सरकार ने बीसीसीआई को एशिया कप से दूर रहने का निर्देश दिया। उस वक्त मात्र तीन टीमें श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने खेला और खिताब श्रीलंका ने जीता था।

जबकि 1993 में जब पाकिस्तान ने एशिया कप का बहिष्कार किया तब तो मैच ही स्थगित हो गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी तो रहती ही है। 1995 जब एशिया कप बहाल हुआ तो वह संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में संपन्न हुआ।

दरअसल भारत का ऑपरेशन सिदूर यदि स्थगित मात्र हुआ है और पाकिस्तान को केंद्र सरकार अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर आतंकिस्तान साबित करने पर तुली है। आतंकवादियों के वित्त पोषण के खिलाफ फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानि एफएटीएफ जाने की बात कर रहा है लेकिन उसके साथ मैच खेलने में भारत सरकार को कोई आपत्ति नहीं दिख रही है। विरोध करने वाले बीसीसीआई की भी खिचाई कर रहे हैं और पूछ रहे हैं कि आखिर उसे कितने पैसे कमाने हैं? विरोध करने वाले हैरानी व्यक्त करते हुए क्रिकेट की इस संस्था की इस बात के लिए आलोचना कर रहे हैं कि आखिर उसके लिए पहलगाम के पीड़ितों और सेना के जवानों की जान से ज्यादा महत्वपूर्ण पैसा कैसे हो गया! मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में वरिष्ठ सदस्य असदुद्दीन ओवैसी और राज्यसभा में शिवसेना (उद्धव गुट) की सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार से आग्राह किया था कि वह बीसीसीआई से एशिया कप से दूर रहने का निर्देश दें। लेकिन मजे की बात तो यह है कि भाजपा और कांग्रेस के सदस्यों ने सरकार से एशिया कप में भारत के खेलने पर विरोध नहीं किया। सरकार ने भी गंभीरता से ओवैसी और प्रियंका के विरोध और आग्राह को नहीं लिया। परिणाम यह हुआ कि बीसीसीआई ने अपने स्वायत्तशासी संस्था होने का एहसास दिलाते हुए इस विरोध को अनसुना करके एशिया कप में भाग लेने पर अड़ी रही।

बहरहाल जो लोग एशिया कप में भारत की टीम का पाकिस्तान के साथ खेलने का विरोध कर रहें है उनका मात्र एक ही तर्क है कि जब भारत ने पाकिस्तान के साथ सारे संबंधों को तोड़ रखा है तो बीसीसीआई मैच खेलने के लिए तैयार क्यों हो जाती है? राष्ट्रवाद के प्राति समर्पित जो लोग पाकिस्तान के साथ खेलने का विरोध कर रहे हैं, वे मात्र भावनात्मक आधार पर पैसले लेने की मांग कर रहे हैं। किन्तु क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय संगठन यानि आईसीसी अर्थात अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सन्नियमों से बंधे बीसीसीआई के सामने भी विकल्प बहुत सीमित होते हैं। यदि भारत एशिया कप में भाग नहीं लेगा तो उसको विश्वकप में खेलने से वंचित होना पड़ सकता है। भारत यह मैच न तो पाकिस्तान में खेल रहा है और न ही उसकी टीम के साथ अपने देश के किसी स्टेडियम में खेल रहा है बल्कि यह मैच तो एक तीसरे देश यानि दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलने का पैसला किया गया है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तो ऐसे टंटे कभी समाप्त होने वाले नहीं हैं, इसलिए यदि बीसीसीआई ने क्रिकेट प्रोमियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए क्रिकेट मैच खेलने का पैसला कर ही लिया तो इसमें इतना हायतौबा मचाने की खास जरूरत नहीं है। जितने राष्ट्र भक्त इस मैच का विरोध करने वाले हैं, उससे कम राष्ट्रभक्त वे क्रिकेट प्रोमी और बीसीसीआई के सदस्य नहीं जो क्रिकेट और राजनीति को अनावश्यक मानते हैं।

गुजरात और मेवाड़ी संस्कृति के संगम से उठी आनंद की हिलोरें

'वाइब्रेंट गुजरात' कल्चरल प्रोग्राम में उमड़े उदयपुराइटस

कार्यक्रम में दिखी गुजरात की कला, संस्कृति, व्यंजन और परंपरा की झलक

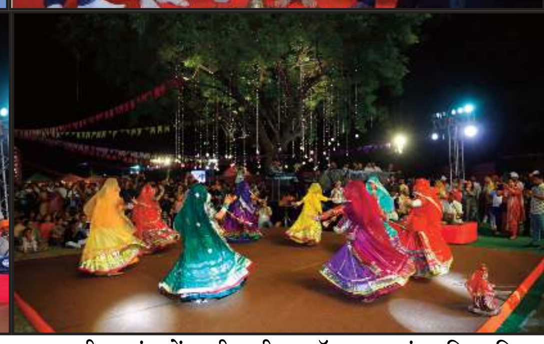

गांधीनगर, 15 सितंबर :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारत विजनह्व के तहत ह्ववसुधैव कुटुंबकमह्व की भावना को आगे बढाते हुए गुजरात और राजस्थान के बीच सांस्कृतिक आदान प्रदान के उद्देश्य से रविवार को उदयपुर के फील्ड क्लब परिसर में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात कल्चरल प्रोग्राम 2025 में संस्कृतियों का अनूठा संगम देखने को मिला। गुजराती और मेवाड़ी संस्कृति के संगम से आनंद की ऐसी हिलोरे उठीं कि हर कोई मन की गहराई तक भीग सा गया।

गुजरात सरकार का टूरिजम कॉर्पोरेशन ऑफ गुजरात लिमिटेड की मेजबानी में आयोजित अपनी तरह के इस पहले और अनूठे कार्यक्रम का शुभारंभ पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया के मुख्य आतिथ्य में हुआ। गुजरात के पर्यटन मंत्री मुलुभाई बेरा, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, शहर विधायक ताराचंद जैन, गुजरात के पर्यटन सचिव राजेंद्र कुमार, गुजरात पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभव जोशी, पूर्व मंत्री हरीश राजानी, समाजसेवी गजपालसिंह आदि विशिष्ट अतिथि रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग परंपरागत पोशाकों में पहुंचे। किसी ने गुजरात के लोक जीवन को दशार्ती चणिया चौली और केडियू व चोर्ना धारण किया तो कुछ लोग राजपूताना के गौरव का प्रतिनिधित्व करते धोती-कुर्ता और मेवाड़ी पाग या मारवाड़ी साफे के साथ अलग ही छटा बिखेरी। गुजरात के पंपरागत लोक गीतों और लोक नृत्य की धुनों पर थिरकते कदम एक भारत-श्रेष्ठ भारत का दिग्दर्शन कराते से प्रतीत हुए।

लोक संस्कृति ने बांधा समां

उत्सव के विधिवत शुभारंभ के साथ ही लोक संस्कृति की रंगत बिखरने लगी। प्रारंभ में आकर्षक पारंपरिक गुजराती लोक प्रदर्शन हुआ। इसमें तलवार रास, गोफ गुंथन और मणियारो रास की प्रस्तुतियों ने मंत्र मुग्ध कर दिया। जैसे ही राजस्थान की आत्मा घूमर नृत्य प्रारंभ हुआ तो मानो पूरा परिसर ही सांस्कृतिक समागम का प्रतिबिम्ब ही बन गया। मनमोहक प्रस्तुति के बाद, जाने माने पार्श्व गायक पार्थिव गोहिल ने गुजरात के परंपरागत लोक गीतों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर सभी को मानो सम्मोहित सा कर दिया।

गुजराती व्यंजनों का लिया लुत्फ

आयोजन के दौरान परंपरा गुजराती व्यंजनों की भी स्टॉल्स सजाई गई। इसमें लोगों को गुजरात के लजीज परंपरागत व्यंजन खमण-ढोकला, फाफड़ा सहित कई तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाने का अवसर मिला।

सांस्कृतिक विरासत को मिलेगी मजबूती

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि उदयपुर जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नगर में वाइब्रेंट गुजरात कल्चरल प्रोग्राम का आयोजन हम सबके लिए गर्व का विषय है। उदयपुर, जिसे झीलों की नगरी कहा जाता है, और गुजरात, जिसे जीवंत संस्कृति व समृद्ध धरोहर के लिए जाना जाता है, दोनों का संगम अपने आप में अद्भुत है। इस तरह के कार्यक्रम हमारी संयुक्त सांस्कृतिक विरासत को और मजबूत करेंगे। साथ ही भारत को पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करेंगे।

श्री कटारिया ने कहा कि गुजरात सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से कलाकारों के माध्यम से दोनों राज्यों को जोड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि भारत की ताकत उसकी विविधता और संस्कृति में है। यह विविधता ही हमें दुनिया के सबसे आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करती है। गुजरात हो या राजस्थान हमारे त्योहार, हमारी नृत्य परंपराएँ, लोकगीत, खानपान और शिल्पकला, पूरी दुनिया को भारतीय ससंस्कृति की झलक दिखाते हैं। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन विकास और आर्थिक सशक्तिकरण में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। आज का यह कार्यक्रम उसी कड़ी का हिस्सा है, जो यह संदेश देता है कि पर्यटन सिर्फ. आर्थिकी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता का माध्यम भी है।

गुजरात के पर्यटन मंत्री श्री मुलुभाई ने कहा कि राजस्थान और गुजरात का रिश्ता बहुत गहरा है। खान पान रहन-सहन एवं परंपराओं में इसकी झलक मिलती है । आज के इस आयोजन में गुजरात के खानपान का स्वाद भी है तो परंपरागत गरबे की झलक भी। यह आयोजन दोनों राज्यों के बीच के अटूट संबंध को और भी गहरा करेगा।

सिंधिया ने की 11 प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा, एलिवेटेड रोड, अंबेडकर धाम के लिए तय की समयसीमा

मध्य प्रदेश के ग्वालियर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री और गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक बड़ा कदम उठाया है। सोमवार को ग्वालियर कलेक्ट्रेट में आयोजित एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने जिले और संभाग की 11 प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और प्रत्येक के लिए स्पष्ट समयसीमा तय की।

एलिवेटेड रोड, अंबेडकर धाम, रेलवे स्टेशन नवीनीकरण, और आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देते हुए सिंधिया ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में और सर्वोत्तम गुणवत्ता के साथ पूरे हों।

उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में ग्वालियर और मध्य प्रदेश विकास की नई कहानी गढ़ रहा है।" यह बैठक और साइट निरीक्षण ग्वालियर को एक आधुनिक, समृद्ध, और सांस्कृतिक रूप से जीवंत शहर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। आइए, इस समीक्षा, परियोजनाओं के विवरण, और उनके संभावित प्रभावों की पूरी कहानी जानते हैं।

समीक्षा बैठकः विकास को गति देने का संकल्प

ग्वालियर कलेक्ट्रेट में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रभारी मंत्री, कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष, जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधि, और कॉन्ट्रैक्टर्स शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सभी परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति देखी और अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि कोई भी कार्य समयसीमा से पीछे न रहे। उन्होंने खास तौर पर उन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया, जो लंबे समय से अटकी थीं और जिनके कारण स्थानीय लोगों को असुविधा हो रही थी।

सिंधिया ने कहा, "ग्वालियर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र है। यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं। आधारभूत ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, और स्वच्छता से जुड़ी परियोजनाओं को गति देना समय की मांग है।" उन्होंने गुणवत्ता पर किसी भी तरह का समझौता न करने की चेतावनी दी, ताकि ग्वालियर को आने वाले वर्षों में एक आदर्श जिला बनाया जा सके।

लंबित परियोजनाओं पर सख्ती, समयसीमा तय

बैठक में सिंधिया ने उन परियोजनाओं का विशेष रूप से संज्ञान लिया, जो वर्षों से लंबित थीं। इन परियोजनाओं के कारण स्थानीय निवासियों को ट्रैफिक जाम, पेयजल संकट, और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने प्रत्येक परियोजना के लिए स्पष्ट समयसीमा तय की और अधिकारियों को जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंधिया ने कहा, "नागरिकों की सुविधा हमारी प्राथमिकता है। कोई भी परियोजना अनावश्यक देरी का शिकार नहीं होनी चाहिए।"

सीएम की कुर्सी और सीट शेयरिंग को लेकर आरजेडी व कांग्रेस के बीच शुरू हुई तकरार

(जीएनएस) ।बिहार में विपक्षी INDIA महागठबंधन में अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आ गई है। आगामी विधानसभा चुनावों में सीट बंटवारे और मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के बीच मतभेद तेज हो गया है।

अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए हाल ही में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव साथ में सड़कों पर रैली की थी लेकिन अब सीएम और सीट शेयरिंग को लेकर दोनों पार्टियों में जंग छिड़ चुकी है। गतिरोधपूर्ण बातचीत और नेतृत्व की चाह के चलते गठबंधन की एकता पर सवाल उठ रहे हैं, खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के खिलाफ।

हालिया विवाद औरंगाबाद जिले की कुटुंबा विधानसभा सीट से उठा, जहां बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने शनिवार को महागठबंधन के कार्यकताओं की बैठक बुलाई। हालांकि, आरजेडी के प्रखंड और जिला अध्यक्षों के साथ-साथ पूर्व विधायक सुरेश पासवान ने बिना कोई कारण बताए इस कार्यक्रम का बहिष्कार किया। इसके बाद आरजेडी नेताओं ने सोमवार को पासवान के नेतृत्व में अपनी एक रणनीति बैठक आयोजित की, जिसमें चुनावी योजनाओं पर चर्चा की गई।

सुरेश पासवान, जिन्होंने 2005 के बिहार विधानसभा चुनावों में राजद विधायक के रूप में कुटुंबा सीट जीती थी और तत्कालीन राजद सरकार में मंत्री भी रहे थे, ने पार्टी कार्यकताओं को एकजुट करने के लिए इस मंच का उपयोग किया। ये इंडिया गठबंधन में शामिल दोनों पार्टियों के बीच तनाव का बड़ा संकेत हैं।

सीएम के चेहरे को लेकर बढ़ी तकरार

ये ऐसे समय में हो रहा है जब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने पिछले सप्ताह यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि [illegible] ब्लॉक के मुख्यमंत्री का चेहरा "बिहार की जनता तय करेगी"। इस टिप्पणी ने राजद को नाराज कर दिया है, क्योंकि वह अपने नेता तेजस्वी प्रसाद यादव को गठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में आगे बढ़ाना चाहती है।

तेजस्वी यादव खुद को बता चुके हैं असली सीएम

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, सार्वजनिक मंचों पर खुद को "असली सीएम" के रूप में पेश कर रहे हैं। वे नीतीश कुमार को "दृष्टिविहीन नेता" और "डुप्लीकेट सीएम" कहकर निशाना साधते रहे हैं, यहां तक कि राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे कांग्रेस के दिग्गजों की मौजूदगी में भी।

मामले को और बढ़ाते हुए, तेजस्वी ने 13 सितंबर को मुजफ्फरपुर के कांटी में एक कार्यकर्ता रैली को संबोधित करते हुए कहा, "इस बार तेजस्वी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। चाहे वह कांटी हो, मुजफ्फरपुर हो या गायघाट हो, तेजस्वी हर जगह से चुनाव लड़ेंगे। मैं आप सभी से तेजस्वी को वोट देने की अपील करता हूं। वह बिहार को आगे ले जाने की दिशा में काम करेंगे।"

उन्होंने आगे जोर दिया, "हम वापस आएंगे। यह याद रखें - तेजस्वी सभी 243 सीटों पर मैदान में होंगे।" उन्होंने एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए एकजुट कार्रवाई का आह्वान किया। राजनीतिक विश्लेषक इसे तेजस्वी का एक रणनीतिक कदम मानते हैं, जिसका उद्देश्य गठबंधन के भीतर अपनी स्थिति को मजबूत करना और सहयोगियों, विशेषकर कांग्रेस पर दबाव डालना है।

कांग्रेस 60-70 सीटों की मांग कर रही है, जो 2020 में लड़ी गई 70 सीटों के समान या उससे अधिक है।

अडानी एंटरप्राइजेज को मिला केदारनाथ धाम रोपवे बनाने का एलओयू, 9 घंटे का सफर 36 मिनट में होगा पूरा

(एजेंसी)।

उत्तराखंड में सोनप्रयाग को केदारनाथ से जोड़ने वाली रोपवे परियोजना के निर्माण के लिए अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) को एक महत्वपूर्ण कॉन्ट्रेक्ट मिला है। कंपनी ने खुलासा किया है कि नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड से इस प्रोजेक्ट के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (LoA) मिला है।

यह परियोजना अडानी पोर्टफोलियो की प्रमुख इन्क्यूबेटर कंपनी एईएल के रोड्स, मेट्रो, रेल और वाटर (आरएमआरडब्ल्यू) डिवीजन द्वारा पूरी की जाएगी। इस परियोजना में अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड 4081 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश करने जा रही है। यह रोपवे केदारनाथ धाम तक पहुँचने को और भी सुगम बनाएगा, जिससे तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी।

यह 12.9 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजना एक बार चालू होने के बाद तीर्थ यात्रा के समय को काफी कम कर देगी। वर्तमान में इस कठिन यात्रा में 9 घंटे का समय लगता है, जो घटकर मात्र 36 मिनट रह जाएगा, जिससे यह यात्रा अधिक सुलभ और सुरक्षित बन जाएगी। यह रोपवे प्रति घंटे प्रति दिशा 1,800 यात्रियों को ले जाने में सक्षम होगा, जिससे सालाना लाखों तीर्थयात्रियों को सुविधा मिलेगी।

तीर्थयात्रियों को होगी सुविधा

केदारनाथ धाम में हर साल लगभग 20 लाख तीर्थयात्री आते हैं, इससे उनकी यात्रा आसान होगी। यह पहल न केवल लाखों तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा के समय और सुरक्षा को बढ़ाएगी, बल्कि स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी। यह रोपवे राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम - पर्वतमाला परियोजना का एक हिस्सा है।

कितने समय में पूरा होगा ये प्रोजेक्ट?

पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित की जा रही इस परियोजना को पूरा होने में छह साल लगेंगे, और निर्माण के बाद एईएल इसे 29 वर्षों तक संचालित करेगी। कनेक्टिविटी में सुधार के अलावा, इस परियोजना से क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होने और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दिन का 1 रुपया कमाने वालीं पाबीबेन रबारी आज सैकड़ों महिलाओं को दे रही हैं रोजगार, कच्छ की हस्तकला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिलाई ख्याति

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज (वीजीआरसी) में पाबीबेन रबारी जैसी स्वाभिमानी-उद्यमी महिलाओं की साफल्य गाथा प्रकाशित होगी

कच्छ के छोटे-से गाँव की पाबीबेन रबारी आज विख्यात एंटरप्रिन्योर हैं, शार्क टैंक इंडिया में मिला है 50 लाख रुपए का फंड

गांधीनगर, 15 सितंबर :गुजरात में कच्छ जिला कला एवं हस्तकला के विषय में हमेशा अग्रसर रहा है। कच्छ के कुकडसर गाँव में जन्मीं पाबीबेन रबारी ने हस्तकला क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है और रबारी भरतकाम (कशीदाकारी) को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है। चौथी कक्षा में पढ़ाई अधूरी छोड़ देने वालीं पाबीबेन आज सफल एंटरप्रिन्योर हैं तथा अनेक महिलाओं को रोजगार के अवसर दे रही हैं। गुजरात की ऐसी ही स्वाभिमानी-उद्यमी महिलाओं की साफल्य गाथा आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज (वीजीआरसी) में झलकेगी और अन्य महिलाओं को प्रेरित करेगी।

दिन का 1 रुपया कमाने वालीं पाबीबेन आज विख्यात एंटरप्रिन्योर

कच्छ की कर्मवीर के रूप में विख्यात पाबीबेन का जीवन चुनौतियों से भरा रहा है। पाँच वर्ष की आयु में पिता को खोने के बाद वे माता के साथ पानी भरने का काम करती थीं। इसके लिए उन्हें 1 रुपया वेतन मिलता था। हालाँकि पाबीबेन ने चुनौतियाँ स्वीकार कर कम आयु से ही कशीदाकारी (भरतकाम) सीखना शुरू किया और वे इस कला में पारंगत बनीं। एक समय पाबीबेन केवल एक रुपया कमाती थीं और आज वे [illegible] (पाबी डिजाइन्स प्राइवेट लिमिटेड) नामक एक वेबसाइट चलाती हैं। हस्तकला क्षेत्र में आज यह वेबसाइट विख्यात नाम है और पाबीबेन 300 से अधिक महिलाओं को रोजगार दे रही हैं। हाल ही में उन्हें शार्क टैंक इंडिया में 50 लाख रुपए का फंड मिला है। शार्क टैंक इंडिया में उन्होंने परंपरागत रबारी भरतकाम तथा ई-कॉमर्स का अनूठा मिश्रण प्रदर्शित कर सबका ध्यान खींचा था।

पाबीबेन अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा समान : कच्छ की कशीदाकारी को वैश्विक स्तर पर ख्याति दिलाई

2017 में पाबीबेन ने पाँच कारीगरों के साथ अपनी यात्रा शुरू की थी और आज सैकड़ों महिलाओं के लिए आर्थिक अवसरों का सृजन किया है। पाबीबेन का हरी जरी वर्क लोकप्रिय है, तो मोर, पतंगिया (पतंगे), वृक्ष आदि प्राकृतिक घाट के टोट बैग, स्लिंग बैग तथा शॉपिंग बैग भी लोग पसंद करते हैं। उनकी हस्तकला बॉलीवुड तथा हॉलीवुड की फिल्मों में प्रदर्शित हो चुकी है। उनकी हस्तकला को स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूट-न्यूयॉर्क, द टेक्सटाइल म्यूजियम-वॉशिंग्टन डीसी, ताज ग्रुप ऑफ होटल्स तथा स्वीडन की तीन वैश्विक ब्रैंड्स में भी स्थान मिला है। विशेषकर उनके द्वारा की गई कशीदाकारी से तैयार केडियुं तथा कंजिरी रबारी परंपरा को आधुनिक पीढ़ी तक पहुँचाते हैं।

हाल में कच्छ की अंजार तहसील में स्थित पाबीबेन ने अपने उद्यम के जरिये ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता को उजागर किया है और कच्छ की समृद्ध भरतकाम विरासत को वैश्विक स्तर पर ख्याति दिलाई है। उन्होंने कच्छ ही नहीं, बल्कि समग्र राज्य की महिलाओं को प्रेरित किया है।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज उद्यमिता को प्रोत्साहन देंगी

आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज (वीजीआरसी) में पाबीबेन जैसी उद्यमी महिलाओं की साफल्य गाथा प्रकाशित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि वाइब्रेंट गुजरात समिट अंतर्गत गुजरात कुल चार स्थानों पर वीजीआरसी का आयोजन करने जा रहा है। इन कॉन्फ्रेंसेज का उद्देश्य स्थानीय महिलाओं को परंपरागत कौशल अपनाने एवं टिकाऊ आजीविका प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। वीजीआरसी राज्य की उद्यमिता को प्रदर्शित करेंगी एवं सृजनात्मकता को नए पंख देंगी।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

कश्मीर से सेब का निर्बाध परिवहन और मिजोरम के लिए पहला कार्गो परिचालन नए आर्थिक अवसरों के द्वार खोलेगा

- रेलवे की इन पहलों से न केवल स्थानीय किसानों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।
- रेलवे की यह रणनीति सिर्फ माल ढुलाई का विस्तार नहीं है, बल्कि यह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विजन की ओर बढ़ता ठोस कदम है।

नई दिल्लीः भारतीय रेलवे ने सीमांत और दूर-दराज क्षेत्रों में अपनी माल ढुलाई सेवाओं के विस्तार के तहत एक अहम कदम उठाया है। इसके तहत एक ओर जहां जम्मू-कश्मीर से सेबों की निर्बाध ढुलाई के लिए दिल्ली तक नियमित पार्सल ट्रेन सेवा शुरू की गई है, वहीं मिजोरम में पहली बार सीमेंट से लदी मालगाड़ी भेजी गई है। रेलवे की इन पहलों से न केवल स्थानीय किसानों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

कश्मीर घाटी के फल उत्पादकों को राहत देते हुए रेलवे ने 15 सितंबर से बड़गाम से दिल्ली के आदर्श नगर स्टेशन के लिए एक विशेष पार्सल ट्रेन सेवा शुरू की है। यह सेवा प्रतिदिन संचालित होगी, जिससे सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सेब सही समय पर दिल्ली के थोक बाजारों में पहुंच सकें। पार्सल वैन की यह सेवा न केवल तेज और समयबद्ध है, बल्कि इसकी सबसे

बड़ी खासियत यह है कि यह गंतव्य के बीच में आने वाले स्टेशनों पर भी माल उतारने की सुविधा देती है। इससे किसानों और व्यापारियों को बहुत लाभ मिलेगा। सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होने से लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी। इससे किसानों की आय में भी इजाफा होगा।

मालगाड़ी की सुविधा से पहली बार जुड़ा मिजोरमः

पूर्वोत्तर भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। पहली बार मिजोरम के सायरंग (आइजोल) स्टेशन के लिए मालगाड़ी सेवा शुरू की गई है। असम से 21 वैगन में सीमेंट लादकर रवाना की गई यह मालगाड़ी मिजोरम के निर्माण क्षेत्र को नई ताकत देगी। इससे न केवल निर्माण लागत घटेगी, बल्कि राज्य में औद्योगिक विकास की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है, सीमेंट, फल, स्टील और अन्य सामानों के परिवहन के लिए मिजोरम तक मालवाहक ट्रेनें चलेंगी। इससे रसद लागत कम होगी और व्यापार के अवसर बढ़ेंगे।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा सीमांत भारतः

रेलवे की इन पहलों को समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर और मिजोरम जैसे सुदूर भू-भागों को राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़कर रेलवे न केवल देश के एक कोने को दूसरे से जोड़ रहा है, बल्कि स्थानीय लोगों को भी भारत की आर्थिक प्रगति में भागीदार बना रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे क्षेत्रीय बाजारों की क्षमता का सही उपयोग हो सकेगा और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा। रेलवे की यह रणनीति सिर्फ माल ढुलाई का विस्तार नहीं है, बल्कि यह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विजन की ओर बढ़ता ठोस कदम है, जिसमें हर क्षेत्र, चाहे वो कितने ही दूरस्थ क्यों न हों, विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

पश्चिम रेलवे द्वारा आरक्षण और टिकट बुकिंग सेवाओं हेतु डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहन डिजिटल बनें... स्मार्ट यात्रा करें

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने और यात्रियों को सुविधाजनक टिकटिंग विकल्प प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में अपने नेटवर्क में आरक्षित और अनारक्षित दोनों टिकट बुकिंग काउंटरों पर डिजिटल भुगतान सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला लागू की गई है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आधुनिक डिजिटल प्रणालियों के एकीकरण ने यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग को और अधिक सुविधाजनक और सुलभ बना दिया है। अब वे मोबाइल ऐप, क्यूआर कोड-आधारित टिकटिंग और अन्य डिजिटल भुगतान विधियों सहित विभिन्न कैशलेस और संपर्क रहित विकल्पों के माध्यम से टिकट प्राप्त कर सकते हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, त्वरित और परेशानी मुक्त डिजिटल भुगतान चुनने के लिए प्रोत्साहित करना है। पश्चिम रेलवे कई उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है जो यात्रियों को आसानी से और सुरक्षित रूप से अपनी टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करते हैं, जैसेः-

त क्यूआर कोड उपकरणः पश्चिम रेलवे के 1137 टिकट काउंटरों पर स्थापित, जिनमें यूटीएस, पीआरएस और यूटीएस-सह-पीआरएस काउंटर शामिल हैं, त्वरित और निर्बाध डिजिटल लेनदेन को सक्षम बनाते हैं। यात्री किसी भी यूपीआई-सक्षम ऐप से प्रदर्शित क्यूआर कोड को आसानी से स्कैन कर सकते हैं और तुरंत कैशलेस भुगतान कर सकते हैं - नकदी ले जाने की चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं।

त पीओएस मशीनेंः पीआरएस, यूटीएस और यूटीएस-सह-पीआरएस काउंटरों पर उपलब्ध हैं, जिससे यात्री अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड को स्वाइप या टैप करके आसानी से अपने

टिकट का भुगतान कर सकते हैं, जिससे त्वरित और सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होता है।

त यूपीआई (श्ढअ) भुगतानः सभी पीआरएस और यूटीएस काउंटरों पर सक्षम, यह सुविधा यात्रियों को टिकट खरीदते समय काउंटर पर अपना यूपीआई वर्चुअल भुगतान पता (श्ढअ) साझा करने और सीधे अपने यूपीआई ऐप पर भुगतान अनुरोध को अधिकृत करने की अनुमति देती है, जिससे लेनदेन कुछ ही सेकंड में पूरा हो जाता है।

त यूटीएस ऑन मोबाइल ऐपः यह ऐप यात्रियों को सीधे अपने स्मार्टफोन से अनारक्षित और सीजन टिकट आसानी से बुक करने की सुविधा देता है, जिससे बुकिंग काउंटर पर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। यह ऐप पेपर और पेपरलेस, दोनों तरह के टिकट विकल्प प्रदान करता है। पेपर टिकट कहीं से भी बुक किए जा सकते हैं और यात्रा शुरू करने वाले स्टेशन पर किसी भी ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन (अळश्ट) या यूटीएस काउंटर पर प्रिंट किए जा सकते हैं, जबकि पेपरलेस टिकट बिना किसी काउंटर या एटीवीएम पर जाए पूरी तरह से डिजिटल रूप से प्राप्त किए जा सकते हैं, क्योंकि बाहरी बुकिंग सीमा हटा दी गई है। हैंडसेट की जीपीएस लोकेशन के आधार पर, आंतरिक बुकिंग सीमा 20 से 50 मीटर के बीच निर्धारित की गई है और यह उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों तरह के टिकटों पर लागू होती है।

त्स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें (अळश्ट): रिचार्जेबल स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके उपनगरीय और गैर-उपनगरीय स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट खरीदने के लिए एटीवीएम लंबे समय से एक लोकप्रिय विकल्प रही हैं। नए क्यूआर कोड भुगतान सुविधा के साथ, टिकट खरीदना और भी आसान हो गया है। यात्री एटीवीएम पर अपना टिकट बुक कर सकते हैं, किसी भी यूपीआई-सक्षम ऐप का उपयोग करके प्रदर्शित क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं, डिजिटल रूप से भुगतान कर सकते हैं और तुरंत अपना टिकट प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उन्हें पूरी तरह से कैशलेस, स्व-सेवा टिकटिंग अनुभव मिलता है।

श्री विनीत अभिषेक ने बताया कि ये सुविधाएँ पश्चिम रेलवे के उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों स्टेशनों पर उपलब्ध हैं। ये पहल यात्रियों के लिए टिकटिंग को आसान, तेज और सुरक्षित बनाने के साथ-साथ नकदी पर निर्भरता कम करने और एक सुगम, कतार-मुक्त यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई हैं। ये सुविधाएँ सुरक्षित, सुविधाजनक और संपर्क रहित टिकटिंग समाधानों को अपनाने को प्रोत्साहित करके भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल में भी योगदान देती हैं।

19 सितम्बर से प्रत्येक शुक्रवार को भावनगर टर्मिनस और शकूर बस्ती स्टेशनों के बीच चलेगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा भावनगर मंडल से एक और महत्वपूर्ण सुविधा प्रदान की जा रही है। भावनगर टर्मिनस से शकूर बस्ती के बीच विशेष किराए पर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, भावनगर डिविजन श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसारः-

ट्रेन का विवरण

- ट्रेन संख्या 09257 भावनगर टर्मिनस झ शकूर बस्ती साप्ताहिक स्पेशल

यह ट्रेन 19 सितम्बर, 2025 से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को भावनगर टर्मिनस से दोपहर 13.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन शनिवार को प्रातः 10.35 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी।

- ट्रेन संख्या 09258 शकूर बस्ती झ भावनगर टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल

यह ट्रेन 20 सितम्बर, 2025 से 29 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को शकूर बस्ती से दोपहर 13.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रविवार को प्रातः 10.45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी।

ठहराव

दोनों दिशाओं में यह ट्रेन भावनगर परा, सिहोर, धोला, बोटाद, लींबडी, सुरेन्द्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाना, पालनपुर जं., आबूरोड, मारवाड़ जं., ब्यावर, अजमेर जं., किशनगढ़, जयपुर जं., गांधीनगर जयपुर, दौसा जं., बांदीकुई जं., अलवर जं., रेवाड़ी जं., गुड़गांव एवं दिल्ली कैंट स्टेशनों पर ठहरेगी।

संरचना

इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी, शयनयान, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी एवं सेकंड एसी कोच सम्मिलित रहेंगे।

आरक्षण

ट्रेन संख्या 09257 के लिए टिकटों की बुकिंग 16 सितम्बर, 2025 (मंगलवार) से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर प्रारंभ होगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि इस ट्रेन के समय, ठहराव एवं संरचना के बारे

पश्चिम रेलवे चलाएगी गांधीधाम-सियालदह और भावनगर टर्मिनस-शकूर बस्ती (दिल्ली) के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा दिवाली और छठ पूजा फेस्टिवल सीजन के दौरान यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए गांधीधाम-सियालदह और भावनगर टर्मिनस-शकूर बस्ती (दिल्ली) के बीच विशेष किराये पर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी। विवरण इस प्रकार हैः

- ट्रेन संख्या 09437/09438 गांधीधाम-सियालदह-गांधीधाम स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 09437 गांधीधाम-सियालदह स्पेशल 17 सितंबर 2025 से 8 अक्टूबर 2025 तक प्रति बुधवार गांधीधाम से 18.25 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 16.15 बजे सियालदह पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09438 सियालदह - गांधीधाम स्पेशल 20 सितंबर 2025 से 11 अक्टूबर 2025 तक प्रति शनिवार सियालदह से 05.15 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 02.00 बजे गांधीधाम पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन सामाख्याली, ध्रांगध्रा, अहमदाबाद, छायापुरी, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, मिजार्पुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, भभुआ रोड,सासाराम, डेहरी ओनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हजारी बाग, पारसनाथ, एनएससी बॉस गोमो, धनबाद, आसनसोल, दुगार्पुर एवं बर्द्धमान स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

- ट्रेन संख्या 09257/09258 भावनगर टर्मिनसझ्रशकूर बस्ती स्पेशल (22 फेरे)

ट्रेन संख्या 09257 भावनगर टर्मिनसझ्रशकूर बस्ती स्पेशल 19 सितंबर 2025 से 28 नवंबर 2025 तक प्रति शुक्रवार भावनगर टर्मिनस से 13.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:35 बजे शकूर बस्ती पहुँचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09258 शकूर बस्तीझ्रभावनगर टर्मिनस स्पेशल 20 सितंबर 2025 से 29 नवंबर 2025 तक प्रति शनिवार शकूर बस्ती से 13:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सिहोर, धोला, बोटाद, लींबड़ी, सुरेंद्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव और दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख् या 09437 और 09257 की बुकिंग 16 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी आठ जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त् योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य सेबांद्रा टर्मिनस-बरौनी, बांद्रा टर्मिनस-रीवा, उधना-बरौनी, उधना-बलिया, उधना-जयनगर, उधना-समस्तीपुर, गांधीधाम-सियालदह और भावनगर-शकुरबस्ती स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09061/09062 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी स्पेशल (साप्ताहिक) [6 फेरे]

ट्रेन संख्या 09061 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी स्पेशल प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 21.20 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 19.15 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 6 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09062 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बरौनी से 12.15 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 06.30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 25 सितंबर से 09 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा, कासगंज, फरुर्खाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09029/09030 बांद्रा टर्मिनस-रीवा अनारक्षित विशेष (साप्ताहिक) [22 फेरे]

ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-रीवा विशेष ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 04.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.45 बजे रीवा पहुँचेगी। यह ट्रेन 18 सितंबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09030 रीवा-बांद्रा टर्मिनस विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को रीवा से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 19 सितंबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी.

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, बोईसर, वापी, वलसाड, भेस्तान, चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, मदन महल, कटनी, मैहर और सतना स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09033/09034 उधना - बरौनी स्पेशल (द्विसाप्ताहिक) [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 09033 उधना - बरौनी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को उधना से 20:35 बजे प्रस्थान करेगी और क्रमशः गुरुवार और सोमवार को 05:00 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 20 सितंबर से 07 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09034 बरौनी-उधना स्पेशल प्रत्येक गुरुवार और सोमवार को बरौनी से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 09 अक्टूबर 2025 तक चलेगी.

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

4. ट्रेन संख् या09041/09042 उधना-बलिया स्पेशल (साप्ताहिक) [6फेरे]

ट्रेन संख् या09041 उधना - बलिया स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 06:40 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:15 बजे बलिया पहुंचेगी। यह ट्रेन 25 सितंबर से 09 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख् या09042 बलिया-उधना स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 23:30 बजे बलिया से प्रस्थान करेगी और रविवार को 12.45 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, विश्वामित्री, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंज बासौदा, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज जंक्शन, मिर्जापुर, चुनार, वाराणसी, जौनपुर, औंड़िहार और गाजीपुर सिटी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

5. ट्रेन 09067/09068 उधना - जयनगर स्पेशल (साप्ताहिक) [6 फेरे]

ट्रेन संख्या 09067 उधना - जयनगर स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 12:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:30 बजे जयनगर पहुँचेगी। यह ट्रेन 21 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09068 जयनगर - उधना स्पेशल प्रत्येक सोमवार को जयनगर से 23:30 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 12:30 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 6 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध् याय, बक् सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस् तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स् टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

6. ट्रेन संख्या 09069/09070 उधना - समस्तीपुर स्पेशल (साप्ताहिक) [6 फेरे]

ट्रेन संख्या 09069 उधना - समस्तीपुर स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 20:35 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 02:00 बजे समस्तीपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 21 सितंबर से 05 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर - उधना स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को समस्तीपुर से 05:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से 07 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर और एसी -3 टियर (इकोनॉमी)कोच होंगे।

7. ट्रेन संख् या09437/09438 गांधीधाम-सियालदह सुपरफास्ट स्पेशल (साप्ताहिक) [8फेरे]

ट्रेन संख् या09437 गांधीधाम - सियालदह सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को 18:25 बजे गांधीधाम से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 16.15 बजे सियालदह पहुंचेगी। यह ट्रेन 17 सितंबर से 8 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09438 सियालदह-गांधीधाम सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शनिवार 05:15 बजे सियालदह से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 02:00 बजे गांधीधाम पहुँचेगी। यह ट्रेन 20 सितंबर से 11 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सामाख् याली, ध्रांगध्रा, अहमदाबाद, छायापुरी, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., मिजार्पुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमो, धनबाद, आसनसोल, दुगार्पुर और बर्द्धमान स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

8. ट्रेन संख् या09257/09258 भावनगर टर्मिनस - शकूर बस्ती स्पेशल (साप्ताहिक) [22फेरे]

ट्रेन संख् या09257 भावनगर टर्मिनस-शकूर बस्ती स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 13:50 बजे भावनगर टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:35 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 सितंबर से 28 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09258 शकूर बस्ती-भावनगर टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक शनिवार को शकूर बस्ती से 13:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 सितंबर से 29 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सीहोर (गुजरात), धोला, बोटाद, लिंबडी, सुरेंद्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव और दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख् या 09437 एवं 09257 की बुकिंग 16 सितंबर, 2025 से, जबकि ट्रेन संख् या 09061, 09033, 09041, 09067 एवं 09069की बुकिंग 17 सितंबर, 2025 सेसभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर के सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना में हिंदी पखवाड़ा - 2025 का शुभारंभ

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी पखवाड़ा - 2025 के अंतर्गत दो सप्ताह तक आयोजित की जाएँगी राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएँ

भावनगर परा स्थित पश्चिम रेलवे के सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना के राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 15-09-2025 को हिंदी पखवाड़ा झ 2025 का शुभारंभ किया गया। दो सप्ताह तक चलने वाले इस पखवाड़े में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। कारखाने के अधिकारी झ कर्मचारी इन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। 15 सितंबर से शुरू हुए इस पखवाड़े का समापन 29 सितंबर को पुरस्कार वितरण कर किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना के राजभाषा विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष सितंबर माह में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जाता है। आज हिंदी पखवाड़े के अवसर पर कारखाने के उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री सौरभ सिंह ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक महोदय श्री विवेक कुमार गुप्ता के हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया और कर्मचारियों को अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने को कहा। श्री सौरभ सिंह ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेशानुसार 14 सितंबर को हिंदी दिवस के पश्चात भावनगर परा स्थित रेलवे के सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए यह पखवाड़ा मनाया जाता है। 15 सितंबर को पखवाड़े की विधिवत शुरूआत की गई और ह्यअपनी पसंद अपनी प्रस्तुतिह्न प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में कारखाने के कर्मचारियों ने अपनी पसंद की विधा में प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और हिंदी में काव्यपाठ, व्यंग्य, कहानी, भाषण, गीत आदि जैसी विभिन्न प्रस्तुतियाँ दीं।

राजभाषा विभाग की ओर से सहायक वित्त सलाहकार एवं संपर्क राजभाषा अधिकारी श्री रत्नेश कुमार ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के आयोजन का उद्देश्य अधिकारियों-कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी से जुड़े संवैधानिक दायित्वों के प्रति जागरुक करना और उन्हें सभी कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहित करना होता है। पखवाड़ा झ 2025 के दौरान 16 सितंबर को अधिकारियों के लिए राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता, 17 सितंबर को हिंदी टिप्पण और सुलेखन प्रतियोगिता, 18 सितंबर को हिंदी निबंध प्रतियोगिता और 19 सितंबर को अधिकारीगण के लिए फोटो कैप्शन प्रतियोगिता और कर्मचारीगण के लिए सामान्य एवं राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। श्री रत्नेश कुमार ने बताया कि 29 सितंबर को सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करके इस पखवाड़े का विधिवत समापन किया जाएगा।

हिंदी पखवाड़े का आयोजन राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए किया जाता है। इस दौरान अधिकारियों -

कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में काम करने में मदद करने के साथ ही उन्हें इससे जुड़ी जानकारी भी प्रदान की जाती है।

16-17 सितंबर की रात में 5 घंटे के लिए महेसाणा-हिम्मतनगर हाइवे

पर रेलवे फाटक नं. 69 सड़क यातायात हेतु बंद रहेगा

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर महेसाणा-हिम्मतनगर हाईवे पर वसई स्थित रेलवे फाटक नं. 69 रेलवे ट्रेक की मशीन टेंपिंग कार्य हेतु 16-17 सितंबर 2025 की रात में 5 घंटे के लिए सड़क यातायात अस्थायी रूप से बंद रहेगा। जो इस प्रकार हैः

आंबलियासन-विजापुर रेलवे लाइन गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत महेसाणा-हिम्मतनगर हाईवे पर वसई स्थित रेलवे फाटक नं. 69 पर ट्रेक की मशीन टेंपिंग कार्य किया जाना प्रस्तावित है। तदनुसार रेलवे फाटक नं. 69 दिनांक 16 सितंबर 2025 को रात्रि 23:30 बजे से 17 सितंबर 2025 को प्रातः 04:30 बजे तक सड़क यातायात के लिए बंद रहेगा।

गुजरात में 'प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना' के अंतर्गत अब तक रिकॉर्ड 2.01 करोड़ से अधिक लाभार्थी जुड़े

योजना के तहत केवल 20 रुपए के सालाना प्रीमियम पर 70 वर्ष की उम्र तक 2 लाख रुपए का बीमा कवरेज उपलब्ध

कोई भी व्यक्ति जिसका बैंक में बचत खाता हो, इस योजना का लाभ उठा सकता है

गांधीनगर, 15 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में ह्यजन सुरक्षा संतृप्ति अभियानह्ल के अंतर्गत गुजरात में ह्यप्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनाह्ल (पीएमएसबीवाई) के अंतर्गत 27 अगस्त, 2025 की स्थिति के अनुसार रिकॉर्ड 2.01 करोड़ से अधिक लाभार्थी जुड़े हैं। इन लाभार्थियों ने केवल 20 रुपए सालाना का प्रीमियम भरकर अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा और अधिक सुनिश्चित की है।

इस योजना के अंतर्गत विशेषकर कम आय वाले तथा असंगठित क्षेत्र के कामगारों को मामूली दरों पर व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान किया जाता है। जिसमें दुर्घटना में विकलांगता या मृत्यु के मामले में 1 से 2 लाख रुपए तक का कवरेज मिलता है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के आम नागरिकों-श्रमिकों के लिए सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। इनमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) और

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) सहित कुल चार योजनाएं शामिल हैं।

भारत सरकार के उपक्रम से विशेष रूप से वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत गुजरात सहित देश भर में गत 1 जुलाई से 30 सितंबर-2025 तक तीन महीने के लिए ह्यजन सुरक्षा संतृप्ति अभियानह्ल चलाया जा रहा है।

केंद्र की इन योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम छोर के व्यक्ति को स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध कराने के लिए गुजरात की 14,610 ग्राम पंचायतों तथा शहरी निकायों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सहायता के लिए हाल ही में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में सेवारत ग्राम कंप्यूटर उद्यमी (वीसीई) को जिम्मेदारी सौंपने का महत्वपूर्ण निर्णय किया गया है।

इस अभियान के तहत जिन नागरिकों का बैंक खाता नहीं है, उनका खाता खोलने के अलावा, केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) तथा खाते में उत्तराधिकारी का नाम जुड़वाने की प्रक्रिया, डिजिटल फ्रॉड की रोकथाम और बैंक में बिना दावे वाली जमा राशि के संबंध में विभिन्न जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। इस संदर्भ में अधिक जानकारी के लिए नजदीकी बैंक शाखा, बैंक मित्र या वीसीई से संपर्क करें।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ह्यविकसित भारतह्ल के विजन के अंतर्गत ह्यजन सुरक्षा संतृप्ति अभियानह्ल को गुजरात में सफल बनाने के लिए 1 जुलाई, 2025 को गांधीनगर जिले के पुंधरा गांव से राज्यव्यापी अभियान शुरू किया गया था। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने वित्त मंत्री श्री कनुभाई देसाई की उपस्थिति में इस राज्यव्यापी अभियान का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन किया था।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदनकर्ता के पास किसी भी बैंक में बचत खाता होना चाहिए, साथ ही आवेदक की उम्र 18 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए। योजना के तहत दुर्घटना में मृत्यु या पूर्ण रूप से स्थायी विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपए तथा आंशिक स्थायी विकलांगता की स्थिति में 1 लाख रुपए के बीमा कवरेज का लाभ दिया जाता है।

इस योजना की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट- https://jansuraksha.in/pmsbyScheme, हेल्पलाइन नंबर 1800-110-001 या नजदीकी बैंक शाखा या ऑनलाइन बैंकिंग पोर्टल-मोबाइल ऐप का उपयोग किया जा सकता है। वित्त विभाग, गांधीनगर ने एक विज्ञप्ति जारी कर सभी पात्र व्यक्तियों से इस योजना का लाभ उठाने का निवेदन किया गया है।

सुशासन के 4 साल: नमो श्री योजना बनी मातृत्व की ढाल, 18 महीनों में 6 लाख माताओं को ₹354 करोड़ की सहायता

- Namo श्री योजना का बढ़ता दायरा: डेढ़ साल में लगभग 11 लाख महिलाएँ पंजीकृत, हर लाभार्थी को ₹12,000 की आर्थिक सहायता
- मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी: 2013 से 2023 के बीच गुजरात में टटफ में 54.5% की गिरावट
- राष्ट्रीय औसत से बेहतर: वर्तमान में गुजरात का टटफ 51, जबकि राष्ट्रीय औसत 88
- वठ SDG लक्ष्य से आगे: टटफ को लेकर वठ SDG लक्ष्य 2030 तक <70 को गुजरात ने समय से पहले किया हासिल

गांधीनगर, 15 सितंबर :गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हाल ही में 13 सितम्बर को अपने जनसेवा के चार वर्ष पूरे किए। मुख्यमंत्री पटेल ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पनाओं को आगे बढ़ाते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण और मातृ स्वास्थ्य सुधार को शासन की प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्यमंत्री पटेल के नेतृत्व में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गुजरात ने पिछले 4 सालों में उल्लेखनीय प्रगति की है। हाल के वर्षों में राज्य की Namo श्री योजना लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रही है जिसने हर वर्ग की गर्भवती महिलाओं और माताओं के स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित किया है।

उल्लेखनीय है कि Namo श्री योजना मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है जिसे फरवरी 2024 में लॉन्च किया गया था और मात्र डेढ़ साल की छोटी से अवधि में इस योजना ने 6 लाख 21 हजार से अधिक लाभार्थियों तक अपनी पहुँच बना ली है जिन्हें ₹354 करोड़ से अधिक का आर्थिक लाभ सीधे उनके बैंक अकाउंट में दिया गया है। वहीं पंजीकरण की बात करें तो मात्र डेढ़ साल की छोटी सी अवधि में 07 सितम्बर 2025 तक राज्य की लगभग 11 लाख लाभार्थी महिलाएँ पंजीकृत हैं।

पोषण से आर्थिक सशक्तिकरण तक, क्या है Namo श्री योजना?

ठेंङ्क श्री योजना के तहत पात्र महिलाओं को उनके पहले दो जीवित बच्चों के लिए चरणबद्ध रूप से ₹12,000 तक की आर्थिक सहायता दी जाती है, जो केंद्र की PMMVY और खर योजनाओं के लाभों के साथ संयुक्त रूप से प्रदान की जाती है। पहली गर्भावस्था में सहायता चार चरणों में मिलती है: पंजीकरण पर ₹5,000 (राज्य ₹2,000 + केंद्र ₹3,000), गर्भावस्था के छह महीने बाद ₹2,000 (राज्य), संस्थागत प्रसव के तुरंत बाद ₹3,000 (राज्य) और 14वे सप्ताह के टीकाकरण के बाद ₹2,000 (केंद्र सरकार द्वारा) ।

वहीं दूसरी गर्भावस्था के लिए सहायता की प्रक्रिया थोड़ी भिन्न है। इसमें पंजीकरण के समय ₹2,000, छह माह की गर्भावस्था के बाद ₹3,000, संस्थागत प्रसव के बाद ₹6,000 (लड़की हो तो सहायता केंद्र की ओर से और यदि लड़का है तो राज्य सरकार की ओर से), तथा 14वे सप्ताह के टीकाकरण के पश्चात राज्य सरकार ₹1,000 देती है।

Namo श्री योजना के लिए कैसे होता है आवेदन?

गुजरात सरकार की महत्वाकांक्षी नमो श्री योजना का लाभ अब महिलाओं तक और भी सरल और पारदर्शी तरीके से पहुँच रहा है। इसके तहत गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण स्वास्थ्य केंद्र से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक राज्य स्तरीय TeCHO+ पोर्टल पर किया जाता है, जहाँ लाभार्थी से संबंधित आवश्यक दस्तावेज अपलोड किए जाते हैं। इसके बाद इन दस्तावेजों का सत्यापन स्वास्थ्य केंद्र और तालुका स्तर पर किया जाता है, और अंतिम पुष्टि राज्य स्तर पर PFMS प्रणाली के माध्यम से होती है। इसके बाद लाभार्थी महिला के बैंक खाते में सीधे डीबीटी (Direct Benefit Transfer) के माध्यम से राशि जमा की जाती है। इस सुव्यवस्थित प्रक्रिया ने महिलाओं को योजना का लाभ मिलने में समयबद्धता और पारदर्शिता को सुनिश्चित किया है।

मातृत्व स्वास्थ्य में गुजरात ने दर्ज की बड़ी सुधार, 2013 से 2023 के बीच टटफ में 54.5% की कमी

गुजरात में 2013 से 2023 के बीच यानी 10 सालों में मातृ मृत्यु दर 112 प्रति 1,00,000 जीवित जन्म की तुलना में 54.5% घटकर, वर्तमान में (2023 तक के आँकड़ों के अनुसार) 51 प्रति 1,00,000 जीवित जन्म तक पहुँच गया है। यह आंकड़ा न केवल राष्ट्रीय औसत 88 से काफी कम है, बल्कि गुजरात ने 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (SDG) <70 प्रति 1,00,000 जीवित जन्म के लक्ष्य को तय समय से काफी पहले ही हासिल कर लिया है, जो राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि है।

उल्लेखनीय है कि ये सभी प्रभावी परिणाम केंद्र व राज्य की योजनाओं का संयुक्त परिणाम हैं, जिसके तहत राज्य में Namo श्री योजना के साथ-साथ SUMAN, PMSMA, ममता, खिलखिलाट जैसी योजनाएँ भी गर्भवती माताओं के स्वास्थ्य व पोषण का ध्यान रख रही हैं।

पुरी स्वर्गद्वार में चमत्कार: चिता पर लेटी 'मुर्दा' औरत अचानक हो गई जिंदा! डॉक्टरों की उड़ी हवाइयां

(एजेंसी)।

ओडिशा की तीर्थ नगरी पुरी के स्वर्गद्वार श्मशान घाट पर सोमवार (15 सितंबर) को एक हैरान करने वाली घटना घटी, जिसने सभी को स्तब्ध कर दिया। 86 वर्षीय बुजुर्ग महिला पी. लक्ष्मी को मृत समझकर उनके परिवार ने अंतिम संस्कार की सभी तैयारियां कर ली थीं, लेकिन चिता पर चढ़ने से महज कुछ मिनट पहले वह जीवित पाई गईं।

आंध्र प्रदेश की रहने वाली यह महिला गंभीर हालत में हैं, और डॉक्टरों ने उनकी जान बचाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। यह घटना न केवल चिकित्सा विज्ञान के लिए सवाल खड़ी कर रही है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही है।

पी. लक्ष्मी आंध्र प्रदेश से ओडिशा के गंजम जिले के पोलासारा इलाके में अपने दामाद के घर गई हुई थीं। परिवार के सदस्यों के अनुसार, उनकी हालत अचानक बिगड़ गई। एक परिवारजन धर्म सेठी ने बताया, 'महिला ने अपनी आंखें नहीं खोलीं और सांस लेने का कोई लक्षण भी नजर नहीं आया। हमने उन्हें मृत मान लिया और इलाके के अन्य लोगों को सूचना दे दी। शव को पुरी के स्वर्गद्वार श्मशान घाट ले जाने के लिए वाहन की व्यवस्था की गई।' परिवार अंतिम संस्कार की रस्में निभाने में जुटा था, लेकिन तभी एक चमत्कारिक मोड़ आ

गया।

स्वर्गद्वार श्मशान घाट के प्रबंधक ब्रज किशोर साहू ने घटना का विवरण देते हुए कहा, 'दाह संस्कार के लिए तीन जरूरी दस्तावेज होते हैं - मृतक और आवेदक का आधार कार्ड, साथ ही मृत्यु प्रमाण पत्र। परिवार मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं दिखा सका। हम स्थानीय सरपंच या अधिकारियों से यह लाने को कह रहे थे, तभी हमारे एक सुरक्षा गार्ड ने नोटिस किया कि बुजुर्ग महिला की सांसें चल रही हैं।' यह खोज तब हुई जब चिता पर चढ़ाने की तैयारी हो रही थी। कर्मचारियों ने तुरंत एम्बुलेंस बुलाई और लक्ष्मी को पुरी अस्पताल पहुंचाया।

डॉक्टरों की रिपोर्ट: दिल-गुर्दे ठीक, लेकिन दिमाग की समस्या

पुरी अस्पताल में उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। एक डॉक्टर ने कहा, 'उनका दिल और गुर्दे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं, लेकिन दिमाग ठीक से फंक्शन नहीं कर रहा। यह कैटाटोनिक स्टेट जैसी स्थिति हो सकती है, जहां व्यक्ति को मृत समझ लिया जाता है।' डॉक्टरों का मानना है कि समय पर इसकी पहचान न होने से ऐसी घटनाएं हो जाती हैं। फिलहाल, लक्ष्मी को विशेष निगरानी में रखा गया है, और परिवार ने राहत की सांस ली है।

क्यों हुआ ऐसा? विशेषज्ञों के अनुसार संभावित कारण

इस तरह की घटनाएं दुर्लभ हैं, लेकिन चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि बुजुर्गों में कमजोर हृदय गति या गहरी कोमा जैसी स्थिति के कारण कभी-कभी सांस लेना रुक सा लग जाता है। ओडिशा के स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी भूल न हो। स्वर्गद्वार श्मशान घाट के कर्मचारियों की सतर्कता ने एक जान बचाई, जिसकी तारीफ हो रही है। यह घटना पुरी की पवित्र भूमि पर एक चमत्कार की तरह देखी जा रही है। क्या यह ईश्वरीय कृपा है या चिकित्सा लापरवाही?

इंदौर में बेकाबू ट्रक ने भीड़ को रौंदा, 2 लोगों की हुई मौत, कई घायल अस्पताल में भर्ती

(एजेंसी)।

इंदौर में सोमवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। एक बेकाबू ट्रक ने भीड़भाड़ वाले इलाके में कई गाडियों को टर्क कर मारी, जिसमें दो व्यक्तियों के ट्रक से कुचलने से मौत हो गई और 8 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। जिन्हें आनन-फानन में गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह ने मृतकों की पहचान नहीं होने की जानकारी दी। इस दुर्घटना में कम से कम छह लोग घायल भी हुए हैं।

एयरपोर्ट रोड स्थित शिक्षक नगर में हुए इस हादसे में एक मोटरसाइकिल भी ट्रक के नीचे फंस गई और उसमें आग लग गई। आग

जल्द ही ट्रक तक फैल गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह ने बताया, "तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी और फिर अन्य लोगों को कुचला। ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है।"

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि मरने वालों की संख्या अधिक हो सकती है। स्थानीय निवासी सुभाष सोनी ने मीडिया को बताया, "ट्रक चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। ट्रक के टायरों में आग लग गई और जैसे ही वह वाहनों से टकराता गया, लोग गिरते गए। मेरे साले के पैर कट गए, उन्हें गीतांजलि अस्पताल ले जाया गया है।"

डीसीपी जोन-1 कृष्ण लालचंदानी ने एएनआई को बताया कि ट्रक चालक नशे की हालत में था और उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे यह दुर्घटना हुई। उन्होंने कहा, "ट्रक चालक पुलिस हिरासत में है और उसे मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है।"

दिल्ली की एक अदालत ने घातक बीएमडब्ल्यू दुर्घटना के बाद महिला चालक को न्यायिक हिरासत में भेजा

दिल्ली की एक अदालत ने घातक बीएमडब्ल्यू दुर्घटना में शामिल महिला, गगनप्रीत कौर को दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस घटना में वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी नवजोत सिंह की मृत्यु हो गई थी और उनकी पत्नी, संदीप कौर घायल हो गई थीं। ड्यूटी मजिस्ट्रेट आकांक्षा सिंह ने यह निर्णय लिया, यह निर्धारित करने के बाद की हिरासत में पूछताछ अनावश्यक थी।

बीएमडब्ल्यू दुर्घटना के बाद महिला चालक हिरासत में

गगनप्रीत का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील विकास पाहवा ने अदालत के फैसले की पुष्टि की। गगनप्रीत की जमानत याचिका के संबंध में दिल्ली पुलिस और पीड़ितों के परिवार को नोटिस जारी किए गए। उन्हें 17 सितंबर तक जवाब देना आवश्यक है, जब अदालत इस मामले की समीक्षा करेगी। दुर्घटना तब हुई जब नवजोत सिंह की मोटरसाइकिल को रिंग रोड पर एक बीएमडब्ल्यू ने टक्कर मार दी, जब वह बंगला साहिब गुरुद्वारे से लौट रहे थे।

दुर्घटना के नतीजों के प्रबंधन पर विवाद

गगनप्रीत को अस्पताल से छुट्टी

मिलने के बाद गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। दुर्घटना के बाद उनके कार्यों पर सवाल उठाए गए हैं। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने पीड़ितों को एक नजदीकी सुविधा के बजाय 19 किलोमीटर दूर एक अस्पताल ले जाया। पीड़ितों के परिवार का दावा है कि गगनप्रीत और उनके पति को नवजोत और संदीप से पहले इलाज मिला था।

पाहवा ने पुलिस के न्यायिक हिरासत के अनुरोध का विरोध किया, प्राथमिकी दर्ज करने में 10 घंटे की देरी का हवाला दिया। उन्होंने तर्क दिया कि आरोप डीसीपी के बयानों और दुर्घटना की सीसीटीवी फुटेज से विरोधाभास करते हैं। डीसीपी के अनुसार, बीएमडब्ल्यू ने पहले एक डिवाइडर को टक्कर मारी, फिर नवजोत की मोटरसाइकिल से टकरा गई, जो बाद में एक डीटीसी बस से टकरा गई।

कानूनी तर्क और बचाव

पाहवा ने तर्क दिया कि गगनप्रीत की गिरफ्तारी अनावश्यक थी क्योंकि वह पहले से ही अस्पताल में भर्ती थी। उन्होंने सवाल किया कि हिरासत की आवश्यकता क्यों थी जब किसी अन्य आरोपी की बरामदगी या पहचान की आवश्यकता नहीं थी। पाहवा ने तर्क दिया कि गगनप्रीत को इस बात का कोई ज्ञान नहीं था कि उनके कार्यों का परिणाम मृत्यु होगा और उन्होंने चिकित्सा सहायता प्रदान करने का प्रयास किया।

गगनप्रीत ने दावा किया कि उन्होंने पीड़ितों को कोविड-19 महामारी के दौरान इसकी सेवाओं से परिचित होने के कारण न्यू-लाइफ अस्पताल ले जाया। उन्होंने कहा कि वह सदमे में थीं और मानती थीं कि वहां बेहतर इलाज मिल सकता है। पाहवा ने दुर्भावनापूर्ण इरादों के अभियोजन के दावों को बेतुका बताया।

आरोप और जांच

गगनप्रीत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें लापरवाही से गाड़ी चलाना और गैर इरादतन हत्या शामिल है। प्राथमिकी में विस्तार से बताया गया है कि नवजोत सिंह की मृत्यु तब हुई जब रविवार को दोपहर करीब 1:30 बजे उनकी मोटरसाइकिल को बीएमडब्ल्यू ने टक्कर मार दी।

दुर्घटना के समय गगनप्रीत, उनके पति परिक्षित मक्कड़, उनके बच्चे और एक नौकरानी वाहन में थे। उनके

जबलपुर लोकायुक्त का छापा, महिला क्लर्क प्रीति ठाकुर 5 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के सख्त निदेशों का असर दिख रहा है। जबलपुर लोकायुक्त इकाई ने सोमवार को एक बड़ी ट्रैप कार्रवाई को अंजाम देते हुए सहायक ग्रेड-2 प्रीति ठाकुर को ₹5000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

यह कार्रवाई कार्यालय असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं, जबलपुर संभाग में हुई, जहां प्रीति ठाकुर ने परमलोक धाम आश्रम सेवा समिति के रजिस्ट्रेशन के एवज में रिश्वत की मांग की थी। इस कार्रवाई ने न केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है, बल्कि सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया है। आइए, इस घटना, इसके विवरण, और इसके व्यापक प्रभावों को विस्तार से जानते हैं।

घटना का विवरण: रिश्वत की मांग और ट्रैप कार्रवाई

आवेदक: शिवप्रसाद कुशवाहा (65 वर्ष), पिता लटोरा कुशवाहा, निवासी ग्राम कौड़िया, तहसील स्लीमनाबाद, जिला कटनी।

आरोपी: प्रीति ठाकुर (45 वर्ष), पति संजय कुमार ठाकुर, पद- सहायक ग्रेड-2, कार्यालय असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं, जबलपुर संभाग।

घटना दिनांक: 15 सितंबर 2025

घटनास्थल: कार्यालय

असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं, जबलपुर संभाग।

ट्रैप राशि: ₹5000

लोकायुक्त जबलपुर को आवेदक शिवप्रसाद कुशवाहा ने शिकायत दर्ज की थी कि उनकी संस्था, परमलोक धाम आश्रम सेवा समिति, के रजिस्ट्रेशन के लिए कार्यालय असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं में कार्यरत प्रीति ठाकुर (सहायक ग्रेड-2) ने ₹5000 की रिश्वत मांगी थी। शिकायत के आधार पर लोकायुक्त ने त्वरित कार्रवाई की और एक ट्रैप दल गठित किया।

15 सितंबर 2025 को, लोकायुक्त की टीम ने सुनियोजित तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया। जैसे ही प्रीति ठाकुर ने आवेदक से ₹5000 की रिश्वत ली, लोकायुक्त दल ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती नीतू त्रिपाठी के नेतृत्व में निरीक्षक रेखा प्रजापति, निरीक्षक बी.एस. नरवरिया, और लोकायुक्त जबलपुर की टीम शामिल थी।

आरोपी प्रीति ठाकुर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7, 13(1)इ, और 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है, और लोकायुक्त ने इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मजबूत कदम बताया है।

लोकायुक्त की कार्रवाई: योगेश देशमुख के निदेशों का प्रभाव

पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए बार-बार जोर दिया है। उनकी अगुवाई में मध्य प्रदेश में लोकायुक्त इकाइयां सक्रिय रूप से भ्रष्टाचार के मामलों पर नकेल कस रही हैं। इस कार्रवाई से पहले भी जबलपुर लोकायुक्त ने कई बड़े ट्रैप ऑपरेशन किए हैं, जिनमें पटवारी, पुलिसकर्मी, और अन्य सरकारी कर्मचारी शामिल रहे हैं।

देशमुख के निदेशों के तहत, लोकायुक्त ने न केवल शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की है, बल्कि जनता में विश्वास जगाने के लिए पारदर्शी और प्रभावी तंत्र भी विकसित किया है। इस मामले में, आवेदक शिवप्रसाद कुशवाहा की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई और रंगे हाथ गिरफ्तारी इसका जीवंत उदाहरण है।

रिश्वत की मांग का खुलासा

आवेदक शिवप्रसाद कुशवाहा ने बताया कि उनकी संस्था, परमलोक धाम आश्रम सेवा समिति, का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए वे कार्यालय असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं, जबलपुर गए थे। वहां सहायक ग्रेड-2 प्रीति ठाकुर ने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए ₹5000 की रिश्वत मांगी।

सीएम कोमा में हैं, सरकार नहीं चल रही'-तेजप्रताप ने साधा निशाना, क्यों बार-बार उठ रहा नीतीश के हेल्थ का मुद्दा

(एजेंसी)।

बिहार की राजनीति इस वक्त गरमाई हुई है। जाले से बीजेपी विधायक और नीतीश कैबिनेट के मंत्री जीवेश मिश्रा पर पत्रकार (यूट्यूबर) की पिटाई का आरोप लगा तो विपक्ष ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव खुद पीड़ित को लेकर दरभंगा थाने पहुंचे और मंत्री पर एफआईआर दर्ज करवाई। इसी बीच

पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव ने नीतीश कुमार की सेहत को लेकर चौंकाने वाला बयान देकर माहौल और गरमा दिया। तेजप्रताप ने मीडिया से बातचीत में कहा-"यह जेडीयू-भाजपा का गुंडा राज है। मुख्यमंत्री अब कोमा में जा चुके हैं और उनसे सरकार नहीं चल रही है।" उनके इस बयान के बाद एक बार फिर सीएम नीतीश के स्वास्थ्य को लेकर विपक्षी हमले तेज हो गए हैं।